STD - VI
Ch - 17

बंजारे

PAGE NO.
Date : / /20

प्रश्न और उत्तर

Date - 05.11.21 (Friday)

1. इन पंक्तियों के माध्यम से कवि क्या कहना चाह रहे हैं ?

(क) सभी पेड़ इनके घर की छत, सब दुनिया आँगन है,
जहाँ हो गई रात सो गए, उठकर चले सकारे।

उ. बंजारों का रहने के लिए कोई ठिकाना नहीं होता, इसलिए इस पंक्ति में कवि कह रहे हैं कि पेड़ अथवा पेड़ों की डालि उनके घर की छात और यह दुनिया उनका आँगन है, चलते-चलते जहाँ रात हुई वहीं सो गए और सुबह उठकर चले गए।

(ख) तपा- तपाकर लोहे को लाचार बना देते हैं,
पीट - पीटकर फिर उसको औज़ार बना देते हैं।

उ. इस पंक्ति में कवि ने बंजारों के काम के बारे में बताया है, लोहे को गरम करके पिघला देते हैं और उसके पिघलते ही उसे पीटकर औज़ार अर्थात आरी, हथौड़ा आदि बना देते हैं।

2. बंजारे लोहे को तपाकर क्या बनाते हैं ?

उ बंजारे लोहे को तपाकर औज़ार अर्थात आरि, हथौड़ा आदि बनाते हैं।

3. बंजारे कहाँ - कहाँ घूमते - फिरते हैं ?

उ. बंजारे गाँव - गाँव और गली - गली घूमते - फिरते हैं।

भाषा और व्याकरण

१- विलोम शब्द :-

हल्का - भारी, गुरुत्वपूर्ण

उत्तर - दक्षिण, प्रश्न

सीधा - टेढ़ा, उल्टा

काला - गोरा, सफेद

२- वाक्य को अलग करके लिखो :-

(क) मधु मुझे देखकर घबरा गई।

उ मधु ने मुझे देखा और मधु घबरा गई।

(ख) घसियारा घास बेचकर अपना पेट पालता है।

उ घसियारा घास बेचता है और घसियारा अपना पेट पालता है।

(ग) तुम्हारी बात मानकर मैंने गलती की।

उ मैंने तुम्हारी बात मानी और मैंने गलती की।

(घ) उसने झुककर नमस्कार किया।

उ- वह झुका और नमस्कार किया।

(ङ) गुब्बारे देखकर बच्चा खिल उठा।

उ- बच्चा गुब्बारे देखा और बच्चा खिल उठा।

(च) विदेश जाकर पत्र अवश्य लिखना।

उ- विदेश जाना और पत्र अवश्य लिखना।